CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper - 05

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (10)**

   सफलता चाहने वाले मनुष्य का प्रथम कर्तव्य यह देखना है कि उसकी रुचि किन कार्यों की ओर अधिक है। यह बात गलत है कि हर कोई मनुष्य हर एक काम कर सकता है। लॉर्ड और केवल परिश्रम को ही सफलता का आधार मानते थे। इसी सिद्धान्त के अनुसार उन्होंने अपने बेटे स्टेनहाप को, जो सुस्त, ढीलाढाला, असावधान था, सत्पुरुष बनाने का प्रयास किया। वर्षों परिवेस्टरफील्ड स्वाभाविक प्रवृत्तियों के काम को अनावश्यक समझते थेश्रम करने के बाद भी लड़का ज्यों का त्यों रहा और जीवन-भर योग्य न बन सका। स्वाभाविक प्रवृत्तियों को जानना कठिन भी नहीं है, बचपन के कामों को देखकर बताया जा सकता है कि बच्चा किस प्रकार का मनुष्य होगा। प्राय: यह संभावना प्रबल होती है कि छोटी आयु में कविता करने वाला कवि, सेना बनाकर चलने वाला सेनापति, भुट्टे चुराने वाला चोर-डाकू, पुरजे कसने वाला मैकेनिक और विज्ञान में रुचि रखने वाला वैज्ञानिक बनेगा।

   जब यह विदित हो जाए कि लड़के की रुचि किस काम की ओर है तब यह करना चाहिए कि उसे उसी विषय में ऊँची शिक्षा दिलाई जाए। ऊँची शिक्षा प्राप्त करके मनुष्य अपने काम-धन्धे में कम परिश्रम से अधिक सफल हो सकता है, जिनके काम-धन्धे का पूर्ण प्रतिबिम्ब बचपन में नहीं दिखता, वे अपवाद ही हैं।

   प्रत्येक मनुष्य में एक विशेष कार्य को अच्छी प्रकार करने की शक्ति होती है। वह बड़ी दृढ़ और उत्कृष्ट होती है। वह देर तक नहीं छिपती। उसी के अनुकूल व्यवसाय चुनने से ही सफलता मिलती है। जीवन में यदि आपने सही कार्यक्षेत्र चुन लिया तो समझ लीजिए कि बहुत बड़ा काम कर लिया।

i. लॉर्ड वेस्टरफील्ड का क्या सिद्धान्त था? समझाइए। (2)
ii. इसे उसने सर्वप्रथम किस पर आजमाया? और क्या परिणाम रहा? (2)
iii. बालक आगे चलकर कैसा मनुष्य बनेगा, इसका अनुमान कैसे लगाया जा सकता है? (2)
iv. सही कार्यक्षेत्र चुनने के क्या लाभ हैं? (2)
v. अनुकूल का विपरीत शब्द लिखिए। (1)
vi. उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)

Section B

2. पाँच ऐसे शब्द लिखिए जो नित्य पुल्लिंग हों? **(1)**

3. नीचे लिखें वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- **(3)**

i. उसे पुस्तकें खरीदनी थीं इसलिए वह बाज़ार गया। (सरल वाक्य)
ii. क्योंकि उसने अपराध किया इसलिए उसे सजा मिली। (संयुक्त वाक्य)
iii. कम रौशनी में पढ़ने के कारण विद्यार्थी अपनी आँखें गवाँ बैठा। (मिश्र वाक्य)
iv. वहाँ जाकर जल्दी आ जाना। (संयुक्त वाक्य)

4. I. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए- (2)
   i. यथाक्रम
   ii. राजपुत्र
   iii. दोपहर
   II. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह को समस्त पद में परिवर्तित करके समास का नाम लिखिए- (2)
   i. प्रिय सखा
   ii. तीन भुजाओं का समाहार
   iii. सात है खण्ड जिसमें

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए- **(4)**

i. माता जी ये पुस्तक पढ़ी।
ii. अध्यापक आपको बुलाया है।
iii. मामाजी बच्चों को फल खिलाए।
iv. कृष्ण के कंस को मारा।
v. मंजुला ने पुस्तक लाई।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए- **(4)**

i. अतीत की बातों को याद करके, तुम व्यर्थ ही _____ रहे हो।

ii. रामू केवल _____ ही बजाता रहता है, काम-धाम कुछ नहीं करता है।

iii. बेटी की शादी करके प्रभुनाथ जी _____ रहे हैं।

iv. आतंकवादियों के पकडे जाने से मानो डर का _____ |

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

   i. वृजलाल गोयनका की गतिविधियों के बारे में 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर बताइए |

   ii. वज़ीर अली किस पद पर था? उसे कंपनी ने उस पद से क्यों हटाया? कारतूस पाठ के आधार पर बताइए।

   iii. मानव ने अपनी बुद्धि के बल पर क्या किया है? अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले पाठ के आधार पर बताइए।

   iv. जापान में जहाँ चाय पिलाई जाती है, उस स्थान की क्या विशेषता है?

8. 'बड़े भाई साहब' कहानी प्रकारांतर से शिक्षा की पुरानी पद्धति पर व्यंग्य और नए विचारों का समर्थन करती है, इस कहानी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। **(5)**

OR

शाम के समय, समुद्र किनारे तताँरा की प्राकृतिक अनुभूति का वर्णन तताँरा-वामीरो की कथा के आधार पर बताइए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

   i. "हरि आप हरों ....." पद में मीरा ने किन-किन भक्तों पर की गई कृपा को स्मरण करते हुए हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती की है?

   ii. **उठ रहा धुआँ, जल गया ताल!** कवि ने ऐसा क्यों कहा है? पर्वत प्रदेश में पावस कविता के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।

   iii. 'छू न पाए सीता का दामन कोई' कथन का क्या आशय है? 'कर चले हम फ़िदा' कविता के आधार पर बताइए।

   iv. "विरुद्धवाद बुद्ध का दया-प्रवाह में बहा" -पंक्ति से कवि का क्या आशय है?

10. कबीर की किसी साखी के आधार पर बताइए कि कबीर किन जीवनमूल्यों को मानव के लिए आवश्यक मानते हैं? **(5)**

OR

आत्मत्राण कविता में निहित संदेश स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **(6)**

    i. हरिहर काका एक नए शोषित वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में दिखाई देते हैं,- इस कथन पर अपने तर्क प्रस्तुत करते हुए विचार कीजिए।

    ii. टोपी ने यह कसम खाते हुए ऐसा क्यों कहा होगा कि वह ऐसे लड़कों से दोस्ती नहीं करेगा, जिनके पिता का तबादला होता रहता है? टोपी शुक्ल पाठ के आधार लिखिए।

Section D

12. **प्लास्टिक की दुनिया** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **(6)**

- प्लास्टिक का आविष्कार और इसका उपयोग
- प्लास्टिक के गुण एवं दोष
- प्लास्टिक का पर्यावरण पर प्रभाव

OR

आधुनिक जीवन में मोबाइल विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- वर्तमान समय में मोबाइल की महत्ता
- मोबाइल फोन द्वारा प्राप्त होने वाली सुविधाएँ
- मोबाइल फोन से होने वाले नुकसान

OR

वस्तु एवं सेवा कर विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- उद्देश्य
- प्रक्रिया
- लाभ

13. नगरों में कल-कारखानों से प्रदूषण में हो रही वृद्धि को रोकने हेतु किसी दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। **(5)**

OR

खेल का सामान बेचने वाली कंपनी 'स्पोर्ट्स इंटरनेशनल' से आपने जो सामान मँगवाया था, वह घटिया स्तर का और महँगा भेजा गया। कंपनी के प्रबंध निदेशक को इसकी शिकायत करते हुए पत्र लिखिए।

14. कैंटोन अपार्टमेन्ट के चीफ़ सेक्रेटरी की ओर से सोसाइटी में रहने वाले लोगों को जल संरक्षण हेतु सचेत करने के लिए 25-30 शब्दों में एक सूचना लिखिए। **(5)**

OR

एक विद्यार्थी जो आज ही एक नई पेन खरीदकर विद्यालय आया था भोजनावकाश तक उसने उस पेन से कार्य किया परंतु उसके पाश्चात् वह उससे कहीं विद्यालय परिसर में गिर गया। इस आशय की सूचना 25-30 शब्दों में जारी करें।

15. चंचल और मोनिका सहपाठी हैं। परीक्षा के बाद दोनों के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **(5)**

OR

घर वापिस पहुँचने पर पिता और पुत्र के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

16. सुंगधित पदार्थ हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **(5)**

OR

कैंसर से पीड़ित एक व्यक्ति को ओ धनात्मक (O+) रुधिर की आवश्यकता है, उसके लिए विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

CBSE Class 10 - Hindi B
Sample Paper - 05

Answer
Section A

1. i. सिद्धांत - स्वाभाविक प्रवृत्तियों की अपेक्षा परिश्रम को ही सफलता का आधार मानना।
   ii.
   - अपने बेटे स्टेनहाप पर;
   - वर्षो परिश्रम के बाद भी असावधान एवं सुस्त लड़का जीवन-भर योग्य न बन पाया।

   iii. बचपन में ही उसकी रूचि एवं कार्यो को देखकर।
   iv. मनुष्य कम परिश्रम से कार्यश्रेत्र में सफलता प्राप्त कर सकता है।
   v. प्रतिकूल
   vi.
   - सफलता का मूल मंत्र।
   - प्रवृति और परिश्रम।

Section B

2. दिनों, ग्रहों,रत्नों, वृक्षों, पर्वतों के नाम हमेशा पुल्लिंग में रहते हैं ।

3. i. वह पुस्तकें खरीदने के लिए बाज़ार गया।
   ii. वह अपराधी था इसलिए उसे सजा मिली।
   iii. वह विद्यार्थी अपनी आँखें गवां बैठा जो कम रौशनी में पढ़ता था।
   iv. वहाँ जाना किंतु जल्दी आ जाना।
4. I. i. यथाक्रम = क्रम के अनुसार (अव्ययीभाव समास)
      ii. राजपुत्र = राजा का पुत्र (तत्पुरुष समास)
      iii. दोपहर = दो पहरों का समाहार (द्विगु समास)
   II. i. प्रिय सखा = प्रियसखा (कर्मधारय समास)
      ii. तीन भुजाओं का समाहार = त्रिभुज (द्विगु समास)
      iii. सात है खण्ड जिसमें = सतखंडा (बहुब्रीहि समास)
5. i. माताजी ने यह पुस्तक पढ़ी।
   ii. अध्यापक ने आपको बुलाया है।
   iii. मामाजी ने बच्चों को फल खिलाए।
   iv. कृष्ण ने कंस को मारा।
   v. मंजुला पुस्तक लाई।
6. i. खून जला

ii. गाल

iii. घोड़े बेचकर सो

iv. किस्सा ख़त्म हो गया है

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   i. वृजलाल गोयंका कई दिनों से आजादी के आंदोलन का कार्य कर रहा था वह लेखक के साथ दमदम के जेल में भी था। 26 जनवरी, 1931 के दिन वृजलाल गोयनका पहले झंडा लेकर वंदे मातरम् बोलता हुआ मोनुमेंट की तरफ़ इतनी तेज़ी से दौड़ा कि अपने आप ही गिर पड़ा। इसके बाद उसे एक अंग्रेज़ी घुड़सवार ने लाठी मारी और फिर पकड़कर कुछ दूर ले जाने के बाद छोड़ दिया। तब वह स्त्रियों के जुलूस में शामिल हो गया, लेकिन वहाँ पर भी उसको छोड़ दिया गया। इसके बाद वह दो सौ आदमियों का जुलूस बनाकर लालबाज़ार गया और वहाँ पर गिरफ्तार हो गया | मदरसा के द्वारा यह पता चला कि उसे थाने में भी बहुत मारा गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि वृजलाल गोयंका एक सक्रिय आंदोलनकारी तथा देशभक्त है।

   ii. पाठ के आधार पर वजीर अली अवध के नवाब के पद पर था | परंतु कंपनी ने उसे उसे नवाब के पद से हटा दिया क्योंकि वो एक देशभक्त था तो कंपनी को उससे खतरा था| इसी कारण कंपनी अपने लाभ के लिए उसे उस पद से हटाकर अपने किसी चाटुकार व्यक्ति को उस पद पर बैठना चाहती थी जिससे कंपनी को लाभ हो सके |

   iii. मानव ने अपनी बुद्धि के बल पर एक परिवार समान संसार को अलग-अलग टुकड़ों में बाँट दिया है और बाकी जीवों के अधिकार को छीन कर अपने आप को सर्वाधिक शक्तिशाली बना लिया है। प्रकृति ने संसार के सारे जीवों को एक समान बनाया था , लेकिन मानव ने सब को अलग करके एकजुट होकर रहने की भावना को समाप्त कर दिया है।

   iv. जापान में जहाँ चाय पिलाई जाती है, वहाँ आने वालों का परंपरागत शैली में स्वागत किया जाता है। अन्दर 'चाजीन' बैठा होता है जो अतिथियों के आने पर कमर झुकाकर उन्हें प्रणाम करता है। और दो...झो...(आइए, तशरीफ़ लाइए) कहकर स्वागत करता है। वहाँ का वातावरण अत्यंत शांत और गरिमापूर्ण होता है। यह पर्णकुटी जैसा सुसज्जित होता है। प्राकृतिक ढंग से सजे इस स्थान में अधिकतम तीन लोग ही एक साथ चाय पी सकते हैं।

8. 'बड़े भाई साहब' कहानी में प्रेमचंद ने शिक्षा व्यवस्था की पंरपरागत पद्धति पर तीखा व्यंग्य किया है। प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति में ब्रिटिश शासन के दौरान इतने आश्चर्यजनक बदलाव किए गए, जिनके कारण हमारी शिक्षा व्यवस्था केंद्रीय होने के बदले परीक्षा केंद्रित हो गई है। प्रेमचंद भारतीय शिक्षा की इस दुर्दशा से अत्यंत दुःखी थे| उन्होंने अपना यह दुःख इस कहानी में लगातार रटने और पढ़ते-पढ़ते फेल होने वाले बड़े भाई साहब के माध्यम से व्यक्त किया है। 'फेल' होने की

मानसिक पीड़ा को सहते-सहते जब बड़े भाई साहब ऊब जाते हैं तब वे लेखक से कहते हैं कि अ ब ज की जगह अ ज ब लिख दिया और सारे नंबर कट गए। कोई इन से नहीं पूछता कि आखिर अ ब ज और अ ज ब में क्या फर्क है। किस प्रकार विद्यार्थियों की मौलिक क्षमता का गला घोंट रही थी। इससे स्पष्ट हो जाता है कि प्रेमचंद यहां एक नई शिक्षा पद्धति का अवलंब करने की सलाह देते हैं जिसमें नया ज्ञान प्राप्त करके उसका व्यवहारिक जीवन उपयोग हो सके किताबी कीड़ा होने से अच्छा है कि छात्रों की अभिव्यक्ति क्षमता तथा कल्पना शक्ति को विकसित करने वाली शिक्षा पद्धति अमल में लाई जाए।

OR

एक शाम तताँरा दिन-भर के अथक परिश्रम के बाद समुद्र के किनारे टहलने गया था। सूरज समुद्र से लगे क्षितिज तले डूबने वाला था। समुद्र से ठंडी हवाएंआ रही थीं। पक्षियों की सायंकालीन चहचहाहट की आवाज धीरे धीरे हो कम रही थीं। उसका मन शांत था। विचारमग्न तताँरा समुद्री बालू पर बैठकर सूरज की अंतिम रंग-बिरंगी किरणों को समुद्र पर निहारने लगा। तभी कहीं पास में उसे मधुर गीत गूँजता सुनाई दिया। गीत मानो बहता हुआ उसकी तरफ आ रहा हो। बीच-बीच में लहरों का संगीत सुनाई देता। गायन प्रभावी था कि वह अपनी सुध-बुध खोने लगा। लहरों के एक प्रबल वेग ने उसकी तंद्रा भंग की। तंद्रा भंग होते ही वह उधर निकल पड़ा जिधर से अब भी गीत की आवाज आ रही थी। वह आकर्षित होकर उस तरफ बढ़ता गया। वहां पहुंचकर देखा कि एक लड़की एकाग्र होकर गीत गा रही थी।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

    i. "हरि अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।" इस बात को निम्न उदाहरणों से सिद्ध करने का प्रयास किया गया है-

        i. जब दु:शासन द्रौपदी का चीरहरण कर रहा था, तब हरि ने द्रौपदी को वस्त्र दे कर उसकी लाज बचाई थी ।
        ii. हरि ने अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा करने के लिए नरसिंह का रुप धारण करके हिरण्यकश्यप का वध करके प्रह्लाद की जान बचाई थी।
        iii. गजराज की पुकार सुनकर उसे मगरमच्छ के मुँह से बचाकर हरि ने उसकी रक्षा की थी।

    ii. कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि मूसलाधार बारिश के कारण तालाबों में वाष्प (भाप)-सा उत्पन्न हो गया था और जो धुएँ के समान लग रहा था। इसके कारण ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो तालाब जल गया हो और उसमें आग लग गई हो।

    iii. सैनिकों ने प्रस्तुत पंक्ति के माध्यम से कहा है कि हमारी मातृभूमि हमारी सीता माँ है और इसे कोई भी रावण रूपी विदेशी आक्रमणकारी छूने एवं उस पर कब्जा या नियंत्रण करने का साहस ही न कर पाए। किसी में ऐसा दुस्साहस करने की हिम्मत ही न आए कि वह भारत की भूमि पर नापाक इरादे से कदम रख सकें। हमें अपनी सीता रूपी मातृभूमि की 'राम' एवं 'लक्ष्मण' बनकर रक्षा करनी होगी।

    iv. बुद्ध के विरुद्धवाद का अर्थ समाज में व्याप्त गलत नीतियों का विरोध करने से है। बुद्ध ने समाज में व्याप्त गलत धारणाओं का विरोध किया। उसी विरोध के दौरान लोगों ने बुद्ध का समर्थन नहीं किया, परंतु जब बुद्ध की

करुणा, दया का भाव सबके समक्ष प्रस्तुत हुआ, तो लोग बुद्ध के सामने नतमस्तक हो गए।

10. महान् संत कवि कबीर की साखियों से हमें नैतिकता एवं ज्ञान की शिक्षा मिलती हैं। उनकी साखियों में अहंकार से दूर रहने, मीठे वचन बोलने, सच्चे मन से ईश्वर को याद करने, सामाजिक रूढ़ियों के दूर करने आदि संबंधी शिक्षा मिलती हैं। प्रस्तुत साखियाँ मनुष्य को नीति संबंधी शिक्षा भी प्रदान करती हैं। बाह्यादंबरों से दूर रहने, आपसी बैर भाव एवं धार्मिक मतों को भूलने तथा जीवन के वास्तविक लक्ष्य को प्राप्त करने संबंधी प्रेरणा देने के अतिरिक्त ये साखियाँ आत्म-सुधार की प्रेरणा भी देती हैं। पुस्तकीय ज्ञान की अपेक्षा व्यावहारिक ज्ञान उपयोगी है।
वास्तव में, जनमानस में व्याप्त सामाजिक-धार्मिक रूढ़ियों एवं कुरीतियों को दूर करना तथा आध्यात्मिक एवं नैतिक उन्नति करने में सहायता करना ही कबीर का लक्ष्य था, जिसके लिए उन्होंने अपनी साखियों को माध्यम बनाया।

OR

'आत्मत्राण' कविता में कवि प्रभु से दुख दूर करने की प्रार्थना नहीं करता है बल्कि वह स्वयं अपने साहस और आत्मबल से दुखों को सहना चाहता है तथा उनसे पार पाना चाहता है। वह दुखों से मुक्ति नहीं, बल्कि उसे सहने और उबरने की आत्मशक्ति चाहता है। इस कविता में निहित संदेश यह है कि हम अपने दुखों के लिए प्रभु को जिम्मेदार न ठहराएँ। हम दुखों को सहर्ष स्वीकार करें तथा उनसे पीछा छुड़ाने के बजाय उन्हें सहें तथा उनका मुकाबला करें। दुखों से परेशान होकर। हम आस्थावादी बनने की जगह निराशावादी न बने। हम हर प्रकार की स्थिति में प्रभु के प्रति अटूट आस्था एवं विश्वास बनाए रखें।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

    i. हमारी सामाजिक व्यवस्था का यह एक कटु यथार्थ है कि बुढ़ापे का सहारा कही जाने वाली संतानों या परिवार के अन्य लोगों की बेमेल विचारधारा से वृद्ध व्यक्ति त्रस्त होते हैं। सामान्यतः उनके पास कोई संपत्ति या अधिकार नहीं होता, लेकिन हरिहर काका की स्थिति इससे भिन्न दिखाई देती है। हरिहर काका के पास ज़मीन-जायदाद है, उनका अधिकार भी वास्तविक तौर पर सीमित नहीं है, परंतु वे इस रूप में भी एक नए शोषित वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में दिखाई देते हैं कि उनके सगे भाइयों के परिवार और सामाजिक व्यवस्था ने अपना स्वार्थ साधने के लिए उन्हें शोषण का शिकार एवं खिन्न मनोवृत्ति वाला बना दिया है। भाई उनकी संपत्ति के लिए जान लेने पर उतर आए हैं, तो पुलिस-प्रशासन सुरक्षा देने के नाम पर उनका शोषण कर रहा है। सामाजिक व्यवस्था में सर्वाधिक पवित्र मानी जाने वाली धार्मिक संस्थाओं का चरित्र भी ठाकुरबारी और महंत की गतिविधियों से स्पष्ट हो जाता है। शोषण करने में वे भी कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। इस तरह संपत्ति एवं अधिकार संपन्न तथा स्वतंत्र होते हुए भी हरिहर काका परिवार, धर्म एवं समाज द्वारा शोषित एक नए वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में दिखाई देते हैं।

    ii. टोपी और इफ़्फ़न घनिष्ठ मित्र थे। दोनों एक-दूसरे के बिना बिलकुल अधूरे थे, क्योंकि दोनों एक-दूसरे की भावनाओं को बिना कहे समझ लेते थे। यह दोस्ती बचपन में विकसित हुई थी। टोपी तो अपने अजीज़ दोस्त इफ़्फ़न के साथ-साथ उसके परिवार वालों का भी आत्मीय था, विशेष रूप से उसकी दादी का जब वह पूरबी

बोली बोलतीं, तो उसे अपनी माँ की भाँति ही दिखाई देतीं। जब टोपी को अकेलापन दूर करने वाले अपने अजीज दोस्त इफ्फ़न के जाने का पता चला, तो वह उदास हो गया। इफ्फ़न के जाने का कारण उसके पिता का मुरादाबाद तबादला होना था। इफ्फ़न की दादी की मृत्यु का घाव अभी भरा भी नहीं था कि टोपी को इफ्फ़न से अलग होने का ज़ख्म भी मिल गया। इसी कारण टोपी ने कसम खाई थी कि अब वह ऐसे लड़के से दोस्ती नहीं करेगा, जिसके पिता का तबादला होता रहता हो।

Section C

12. **प्लास्टिक की दुनिया**

प्लास्टिक का आविष्कार ड्यू बोयस एवं जॉन द्वारा किया गया था। प्लास्टिक का उपयोग मशीन के कल-पुर्जों, पानी की टंकियों, दरवाज़ों, खिड़कियों, चप्पल-जूतों, रेडियो, टेलीविज़न, वाहनों के हिस्सों, आदि में किया जाता है, क्योंकि प्लास्टिक से बनी वस्तुएँ आसानी से खराब नहीं होतीं। यदि किसी कारण ये टूट-फूट जाएँ, तो इन्हें फिर से बनाकर पुनः उपयोग में लाया जा सकता है।

इनमें मनचाहा रंग मिलाकर इन्हें अधिक आकर्षक भी बनाया जा सकता है। यही कारण है कि प्लास्टिक से बने आकर्षक रंग-बिरंगे फूल असली फूलों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं। आज लोगों को बाज़ार से सामान प्लास्टिक के बने आकर्षक थैलों में पैक करके मिलता है।

इसके अनेक उपयोग के बावजूद प्लास्टिक से बनी वस्तुओं से पर्यावरण बुरी तरह दुष्प्रभावित हो रहा है। प्लास्टिक कभी न गलने-सड़ने वाला पदार्थ है, जिसके कारण भूमि, जल, पर्यावरण आदि अत्यधिक प्रदूषित होते जा रहे हैं। अतः हमें प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना चाहिए, ताकि पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सके।

OR

मोबाइल आज विश्व में क्रांति का वाहक बन गया है। बिना तारों वाला मोबाइल फ़ोन जगह-जगह लगे ऊँचे टॉवरों से तरंगों को ग्रहण करते हुए मनुष्य को दुनिया के प्रत्येक कोने से जोड़े रहता है। मोबाइल फ़ोन सेवा प्रदान करने के लिए विभिन्न टेलीफ़ोन कंपनियाँ अपनी-अपनी सेवाएँ देती हैं। मोबाइल फ़ोन बात करने, एसएमएस की सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के खेल, कैलकुलेटर, फ़ोनबुक की सुविधा, समाचार, चुटकुले, इंटरनेट सेवा आदि भी उपलब्ध कराता है। अनेक मोबाइल फोनों में इंटरनेट की सुविधा भी होती है, जिससे ई-मेल भी किया जा सकता है। मोबाइल फोन सुविधाजनक होने के साथ ही नुकसानदायक भी है। मोबाइल फ़ोन का सबसे बड़ा दोष यह है कि यह समय-असमय बजता ही रहता है। लोग सुरक्षा और शिष्टाचार भूल जाते हैं। अकसर लोग गाड़ी चलाते समय भी फ़ोन पर बात करते हैं, जो असुरक्षित ही नहीं, बल्कि कानूनन अपराध भी है। अपराधी एवं असामाजिक तत्त्व मोबाइल का गलत प्रयोग अनेक प्रकार के अवांछित कार्यों में करते हैं। इसके अधिक प्रयोग से कानों में हृदय पर बुरा प्रभाव पड़ता है। अतः इन खतरों से सावधान होना आवश्यक है।

OR

हमारे देश में वर्ष 1991 से कर सुधारों की जिस प्रक्रिया की शुरुआत हुई है, उसका उद्देश्य पूरे देश में वस्तुओं एवं सेवाओं पर एक समान कर प्रणाली को लागू करना है, जिससे करारोपण की प्रक्रिया को सहज व सरल बनाते हुए कर प्रणाली की जटिलता को कम किया जा सके। इससे एक ओर जहाँ भारत में बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक व्यावसायिक माहौल बनाने में आसानी होगी, वहीं दूसरी ओर इससे सरकार के राजस्व में तीव्र वृद्धि की भी संभावना है। वस्तु एवं सेवा कर वस्तुओं एवं सेवाओं पर लगाया जाने वाला एक एकीकृत अप्रत्यक्ष कर है, जिसमें केंद्रीय उत्पाद शुल्क, राज्य स्तरीय वैट, चुंगी, क्रय कर, विलासिता कर, मनोरंजन शुल्क, सेवा कर आदि शामिल हैं।
वस्तु एवं सेवा कर का आरोपण आपूर्ति एवं उपयोग के अंतिम चरण पर किया जाएगा। यह कर मूल्यवर्द्धन के प्रत्येक स्तर पर अनिवार्य रूप से लगाया जाएगा। इसमें प्रत्येक चरण पर किसी भी आपूर्तिकर्ता को टैक्स क्रेडिट सिस्टम के माध्यम से इसकी भरपाई करने की अनुमति होती है। वस्तु एवं सेवा कर से होने वाले लाभों को देखा जाए तो यह प्रारंभिक स्तर पर वर्तमान कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी, सुसंगत व प्रभावी बनाएगा। इससे करारोपण एवं कर वसूली दोनों स्तरों पर जटिल प्रक्रियाओं एवं नियमों-विनियमों के जंजाल से छुटकारा मिल सकेगा एकीकृत कर प्रणाली दोहरे करारोपण से भी ग्राहकों को मुक्ति दिलाने में सक्षम है। इससे ग्राहक एक ओर जहाँ 'इन्सपेक्टर राज' से निजात पा सकेंगे, वहीं कीमतों में होने वाली वृद्धि से भी बच पाएँगे।

13. परीक्षा भवन,
मेरठ।
दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,
संपादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
मेरठ।
विषय शहर में बढ़ते प्रदूषण के सदंर्भ में।
मान्यवर,

मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से जनता, अधिकारियों तथा सरकार का ध्यान शहरों में कल-कारखानों के कारण होने वाले प्रदूषण की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। आशा है कि आप मेरे पत्र को अपने प्रतिष्ठित समाचार-पत्र में प्रकाशित करेंगे।
आज के आधुनिक युग में उद्योग-धंधों का तेज़ी से प्रसार हो रहा है। इनकी चिमनियों से निकलने वाले धुएँ से वायुमंडल में प्रदूषण की मात्रा बहुत बढ़ गई है। इसके अतिरिक्त औद्योगिक केंद्रों में मशीनों से निकलने वाले कचरे से भी वायुमंडल में प्रदूषण बढ़ रहा है। प्रदूषण चाहे कैसा भी हो, स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक होता है। वायुमंडल में शुद्ध वायु की कमी विभिन्न रोगों को जन्म देती है। अपने शहरों के चारों ओर स्थित अनेक उद्योग-धंधों की चिमनियों से निकलने वाला धुआँ तथा कोयले की राख आस-पास के निवासियों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल रही है।
मेरा मुख्यमंत्री, ज़िलाधीशों तथा प्रदूषण विभाग के अधिकारियों से विनम्र अनुरोध है कि वे इस ओर ध्यान दें तथा इस संबंध में आवश्यक एवं कठोर कदम उठाएँ, जिससे समस्या का उचित समाधान हो सके।

सधन्यवाद।

भवदीय,

जतिन

OR

परीक्षा भवन

नई दिल्ली-110077

25, अप्रैल, 2019

प्रबंध निदेशक

स्पोर्ट्स इंटरनेशनल

नई दिल्ली-110077

विषय-माल की गुणवत्ता व मूल्य के सन्दर्भ में

महोदय

मुझे बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि पिछले सप्ताह आपने दिनांक 17 मार्च, 2019 को जो माल भेजा था, वह घटिया स्तर का व महँगा है। आपने जिस कंपनी का माल भेजा है उसकी न तो बाहरी दिखावट प्रभावी है न ही वह भीतर से मजबूत है।

हम इस माल से संतुष्ट नहीं है। ग्राहकों द्वारा मिलने वाली लगातार शिकायतों के कारण हम यह माल आपको वापस भेज रहे हैं। आपने जिस मूल्य पर हमें माल भेजा है। उस मूल्य से भी कम पर यह माल हमें दूसरे डीलर से मिल रहा है। ऐसी स्थिति में यदि आप चाहते हैं कि हम आपसे माल मँगवाते रहे तो आप माल व मूल्य दोनों ठीक करके भेजें।

धन्यवाद

भवदीय

मोहित शर्मा

14.

सूचना

30 मार्च, 2019

हमारी सोसाइटी में जल की समस्या निरंतर बढ़ती जा रही है। कुछ घरों में पानी व्यर्थ बहता रहता है कुछ लोगों को पर्याप्त मात्रा में तो उपलब्ध ही नहीं होता। इस अनियमितता को देखते हुए जल संरक्षण करना आवश्यक हो गया है। अतः विनम्र निवेदन है कि जल का आवश्यक कार्य हेतु प्रयोग करने के बाद नल बंद कर दें। अनावश्यक रूप से पानी के दुरुपयोग को रोकने के यथासंभव प्रयास करने। इस समस्या से निजात पाने में मदद करें।

विनोद साह

चीफ़ सेक्रेटरी

OR

बाल विकास विद्यालय
साध नगर,पालम
दिल्ली
दिनांक . . . . . .

सूचना

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि कक्षा दसवीं बी के विद्यार्थी मोहित सिंह राणा का पेन भोजनावकाश में कहीं गिर गया है। यह पार्कर पेन नीले रंग का है। यदि किसी विद्यार्थी को भी यह पेन मिले तो कृपया मोहित को लौटा दें। आपका अति आभार होगा।

ह० . . . . . .
हेड बॉय
बाल विकास विद्यालय
साध नगर,पालम

15. चंचल - मोनिका! कैसी हो? पेपर कैसे हुए?
मोनिका - यह तो रिजल्ट ही बताएगा।
चंचल - मैं तुमसे रिजल्ट नहीं, मैं तो पूछ रही हूँ, कैसे हुए पेपर?
मोनिका - अंग्रेजी तो अच्छा हुआ पर गणित का एक प्रश्न छूट गया। तुम्हारे कैसे हुए?
चंचल - मेरे पेपर अच्छे हुए हैं। अंग्रेजी और गणित में तो मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ। परंतु इसके रिजल्ट का मुझे भरोसा नहीं रहता।

OR

पिता - तू लौट आया बेटा।
पुत्र - हाँ, पिताजी !
पिता - तूने, कुछ खाया?
पुत्र - हाँ, पिताजी!
पिता - काश ! घर पर ठहर जाता तो तेरी भूख अच्छा खाना ही मिटा देती।
पुत्र - अब भी मैंने भूख घर पर ही शांत की है पिताजी।
पिता - बाहर कुछ नहीं खाया?
पुत्र - नहीं, पिताजी!
पिता - धन्य है तू! पर यह अक्ल आई कैसे?
पुत्र - जब से मैं बीमारी से उठा हूँ बाहर खाना छोड़ दिया है।

16.

"वातावरण को महकाए,
सुंगध ही सुगंध फैलाए,
सबको आकर्षित कर,
सबकी नज़रों को भा जाए।"

गोल्डस्टोन डियो शॉप

स्क्रैच करने पर पा सकते हैं
अपने मनपसंद टी.वी. स्टार
से मिलने का मौका

OR

रक्तदान महादान

कैंसर पीडित व्यक्ति के लिए 'ओ' धनात्मक (O+) रुधिर की आवश्यकता है

- आयु सीमा 20-45 वर्ष
- वजन कम से कम 50 किलो
- शारीरिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही रक्तदान करें।

रक्तदान करने वाले व्यक्ति को जूस तथा फल भी दिए जाएँगे।

संपर्क करें : 4/475- न्यू गोविन्द नगर, दिल्ली।

फोन. नं. 99117100XX